DC Edutimes
September-2011
Monthly News Letter
Edition-13, September-2011

DC EDUTIMES

डिफैंस पी.जी. कॉलेज ऑफ एजुकेशन, टोहाना

(Affiliated to CDLU, Sirsa & Approved by NCTE, Jaipur)

Highlights......

- ⇒5 सितम्बर को शिक्षक दिवस
- ⇒5 सितम्बर रोजगार मेले का आयोजन
- ⇒14 सितम्बर हिन्दी दिवस
- ⇒16 सितम्बर स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन
- ⇒17 सितम्बर वाद–विवाद व समाचार लेखन प्रतियोगिता
- ⇒21 सितम्बर काव्य गोष्ठी, काव्य पाठ व पुरस्कार वितरण

आपकी कर्मठता नींव के पत्थरों मे दर्ज है

डा. वीना सिंह।
चेयरमैन, हेरीटेज वर्ल्ड सोसाईटी।

संदेश

बदलते परिवेश के अनुसार मनुष्य एवं समाज दोनों का बदलना नितान्त आवश्यक होता है। मनुष्य अपने को सुरक्षित एवं संरक्षित तभी रख सकता है। जब वो अपनी बीती हुई घटनाओं का सही एवं गलत का आंकलन कर सही दिशा में चलने का प्रयास करें। यह तभी सम्भव हो सकता है। जब अपनी बीती घटनाओं का संकलन एवं प्रसार करें । इसी कडी में डिफेंस पी.जी. कॉलेज ऑफ एजूकेशन द्वारा एक सार्थक प्रयास किया जा रहा है। जिसका मै हार्दिक दिल से शुभकामनाओं के साथ इस 'न्यसलैटर' को सम्पादित करने की सम्मति प्रदान करती हूँ।

डा. वीना सिंह।
चेयरमैन, हेरीटेज वर्ल्ड सोसाईटी।

संदेश

जीवन जीने की एक कला है जो किसी किसी को आती है। जो व्यक्ति इस कला को सीख जाता है। उसे उत्कृष्ट मुकाम पर पहुचने से कोई नहीं रोक सकता। इसके लिए मनुष्य को चरित्र आचरण एवं ब्रह्मयचार्य का दिवाना होना चाहिए। डीफेस पी.जी. कालेज ऑफ एजुकेशन द्वारा जो न्यूसलैटर का सम्पादन किया जा रहा है। वह शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रभावशाली कदम है। इसके द्वारा कॉलेज की गतिविधियों से छात्र, अध्यापक, अभिवावक एवं समाज परिचित होता रहेगा। आशा है इसमें अपने सुझावों को देकर हमें अनुग्रहित करें

धन्यवाद सहित

प्रशासक
श्री वेदपाल मोर,

प्रशासक श्री वेदपाल मोर,

संदेश

समय के साथ बदलता परिवेश हर व्यक्ति को किसी न किसी रूप में अवश्य प्रभावित करता है, क्योंकि समय परिवर्तनशील है, उसी संदर्भ में मनुष्य की प्रवत्तियां भी बदलती रहती है। इसी परिप्रेक्ष्य में हमारा परिवार विद्यार्थियों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा एवं संस्कार देकर उनकी असीम उर्जा को समाज हित में परिवर्तन करने की ओर अग्रसर है। डिफेंस पी.जी. कॉलेज ऑफ एजुकेशन द्वारा जो मासिक समाचार पत्र ''न्यूज स्लेटर'' का सम्पादन किया जा रहा वह शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रभावशाली कदम है। जिससे कॉलेज की प्रत्येक गतिविधि का पता हमारे समाज की हर इकाई तक पहुंचे। इससे विद्यार्थियों में सृजनात्मक शक्ति का विकास होगा।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित,

प्रिंसिपल
डा. राकेश दूबे

डिफेंसं पी0जी0 कॉलेज में मनाया शिक्षक दिवस

डिफेंसं पी0जी0 कॉलेज में 5–9–2011 को शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रोजगार विभाग के उपरोजगार अधिकारी श्री आर. के. छाबडा उपस्थित थे। श्री छाबडा ने छात्र – छात्राओं को रोजगार सम्बन्धित सूचनाएं दी, उन्होंने बताया कि रोजगार विभाग मे रजिस्ट्रेशन के बाद आयु सीमा का बन्धन समाप्त हो जाता है तथा यदि तीन वर्षो मे विभाग रोजगार उपलब्ध नहीं करवा पाता है तो महिला को 1500 रूपये प्रतिमाह तथा पुरूष को 900 रूपये प्रतिमाह रोजगार भते के रूप में दिया जाता हैं। इस अवसर पर छात्र–छात्राओं ने अध्यापकों को समर्पित भावुक गीत प्रस्तुत कियें।

आज ही रोजगार मेले का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न 5 महाविद्यालयों के 41 विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिसमे से 9 छात्र – छात्राओं को चयनित कर लिया गया। डिफेंसं महाविद्यालय के 4 छात्र – छात्राओं को चयनित किया गया । 9 विद्यार्थी ऐसे थे जिन्हे 2 से 3 माह के अग्रजी प्रशिक्षण के बाद नियुक्ति दे दी जाएगी। अकाल एकेडमी की अनुभवी प्राचार्या श्रीमती इंदू शर्मा ने चयन कार्य हेतु साक्षात्कार किया इस प्रक्रिया में प्रथम स्तर पर लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया। इस प्रक्रिया के दौरान 17 अभ्यार्थियों में से 9 का चयन किया गया तथा उनको प्रशिक्षण देने हेतु चयनित कर लिया गया।

शिक्षक दिवस पर विद्यार्थियों को संम्बोधित करते हुए प्रशासक महोदय श्री वेदपाल मोर जी

रोजगार मेला डिफेंसं पी0जी0 कॉलेज में

डिफेंसं पी0जी0 कॉलेज में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में रोजगार मेले का आयोजन किया गया । प्रिंसिपल डा0 राकेश दुबे ने बताया कि शिक्षक दिवस के उपलक्ष कॉलेज प्रांगण में प्रस्तावित मेले में क्षेत्र के करीब डेढ दर्जन विद्यालयों के प्रधानाचार्य व प्रबंधन समिति के प्रतिनिधियों ने शिरकत की। शिविर में महाविद्यालयों के प्राध्यापकों द्वारा रोजगार के इच्छुक शिक्षकों का साक्षात्कार लिया गया। उन्होने बताया कि मेले का उदेश्य शिक्षकों को अच्छे स्कूलों में रोजगार दिलवाना हैं। मेलें में रोजगार के इच्छुक व अच्छे शिक्षकों की तलाश करने वाले विद्यालयों के संचालक एक मंच पर एकत्रित हुए।

भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

डिफेंसं पी0जी0 कॉलेज टोहाना के तत्वाधान मे दिनांक 14–09–2011 से 20–09–2011 तक हिन्दी सप्ताह का आयोजन किया गया। मुंशी प्रेमचन्द साहित्य सदन के प्रयास से दिनांक 14–09–2011 के उद्घाटन दिवस पर अर्न्तमहाविद्यालय भाषण तथा काव्यपाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें टोहाना तथा आसपास के शिक्षक प्रशिक्षण महाविधालयों :– **M.U.H.** जैन महाविधालय, आकाश महाविधालय, ग्रामीण महाविद्यालय, सूर्या महाविद्यालय तथा अपैक्स महाविद्यालय को निमंन्त्रित किया

गया। प्रतिभागिता हेतू डिफेसं महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं के अतिरिक्त MUH जैन महाविद्यालय आकाश महाविद्यालय, ग्रामीण महाविद्यालय, सूर्या महाविद्यालय तथा अपेक्स महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया। दोनों प्रतियोगितायों के कुल प्रतिभागी संख्या 18 थी। प्रतिभागियों ने हिन्दी की वर्तमान स्थिति पर व्यगंपूर्ण भाषण तथा हास्य व्यंग के माध्यम से भाव अभिव्यक्त किये। इस अवसर पर डिफेसं इंटरनैशनल एजूकेशन रिसर्च सोसाइटी की सस्थाओं कर्नल पब्लिक स्कूल, हरिटेज स्कूल ऑफ नसिग तथा डिफेसं प्रोद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र के प्राचार्य उपस्थित थे। श्री एस.के. सिंह ने बताया कि हिन्दी के 150 शब्दों को Oxford डिक्शनरी ने स्वीकार किया है। डा0 भावेश दूबे ने भावुक होकर हिन्दी को स्वर लहरी के प्रति चिन्ता व्यक्त की। प्राचार्य डा0 राकेश दुबे ने हिन्दी के प्रति जागरूकता व्यक्त की। क्षेत्रीय भाषा के हिन्दी पर प्रभाव की त्रुटि से मुक्त होने का सुझाव दिया। श्री दिनेश पहल जी ने सूचना प्राद्योगिकी मे हिन्दी शब्दकोश के विस्तार के प्रयास में हिन्दी भाषा के छात्रों को अनुंसधानात्मक प्रवृति तथा जागरूकता का भाव व्यक्त किया।

भाषण प्रतियोगिता में भाग लेती प्रतिभागी

इस में भाषण प्रतियोगिता MUH जैन महाविद्यालय के हरपाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, डिफेसं महाविद्यालय की लवप्रीत तथा रीना ने क्रमशः द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त किया। काव्य–पाठ में अन्ना हजारे तथा रूपये की महिमा तथा भ्रष्टाचार पर भाव अभिव्यक्त किया । काव्य पाठ में रीना डिफेसं कॉलेज की छात्रा ने प्रथम स्थान जबकि आकाश महाविद्यालय की छात्रा कोमल ने द्वितीय तथा डिफेसं कॉलेज की छात्रा मीना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । प्रतियोगिता का स्तर उन्नत रहा तथा ग्रामीण कॉलेज के प्रतिभागियों का प्रयास भी सराहनीय था। मुंशी प्रेमचन्द सदन के प्रभारी डा0 राजपाल ने कार्यक्रम का आयोजन किया तथा आभार प्रकट किया। निर्णायक मण्डल मे MUH जैन कॉलेज की प्रवक्ता श्रीमती शीला जांगडा तथा डिफेसं कॉलेज के प्रवकता नरेन्द्र रोहिला तथा उप प्राचार्या डा0 अमिता अग्रवाल थी।

16–09–2011 को स्लोगन प्रतियोगिता

स्लोगन प्रतियोगिता का विषय स्वास्थ्य तथा बालक, सफाई तथा बालक मजदूरी था। अनिल प्रथम, शिव द्वितीय तथा नवनीत तृतीय स्थान पर रहे। वाद–विवाद प्रतियोगिता का परिणाम अनिर्णित रहा। कार्यक्रम का संचालन डा0 अमिता अग्रवाल ने किया तथा सभी प्रवकताओं ने कार्य सम्पन्न किया। यह प्रतियोगिता कॉलेज प्रवकताओं श्री अनिल कुमार, जगबीर, नरेन्द्र रोहिला, वन्दना दुबे व ईशा, डा0 उस्मान खान, विशाल सक्सेना तथा डा0 जगतपाल आदि के देख–रेख में सम्पन्न हुई।

वाद विवाद तथा समाचार लेखन प्रतियोगिता

दिनांक 17–09–2011 को डिफेंसं पी0जी0 कॉलेज में हिन्दी सप्ताह विविधा के अंतर्गत वाद–विवाद प्रतियोगिता तथा समाचार लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के दौरान कॉलेज प्राचार्य डा0 राकेश दुबे जी ने वाद–विवाद संबधी विशेषनाओं का व्याख्यान किया तथा वर्तमान समय में वाद–विवाद के महत्व पर जोर दिया

प्रतियोगिता में दो टीमों ने भाग लिया। एक टीम का नेतृत्व नवनीत ने तथा दूसरी टीम का नेतृत्व रीना ने किया।
इस प्रतियोगिता के साथ–साथ समाचार लेखन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया जिसमें निम्नलिखित विद्यार्थियों ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया।

नाम	स्थान	कक्षा
मीना	प्रथम	डी0एड0 प्रथम (द्वितीय समैस्टर)
श्योभगवान	द्वितीय	डी0एड0 प्रथम (द्वितीय समैस्टर)
पूनम	तृतीय	डी0एड0 प्रथम (द्वितीय समैस्टर)

काव्य गोष्ठी व काव्य पाठ प्रतियोगिता

दिनांक 21–09–2011 को डिफेसं पी0जी0 कॉलेज ऑफ एजुकेशन में हिन्दी सप्ताह दिवस का अंतिम दिन मनाया गया। जिसमें काव्य गोष्ठी व काव्य पाठ प्रतियोगिता का संचालन मुंशी प्रेमचन्द साहित्य क्लब के अध्यक्ष डा0 राजपाल द्वारा हुआ। उन्होने बताया कि काव्य के माध्यम से छात्र अपने मन की अभिवक्ति करते हैं। डी0 एड0 कक्षा की छात्रा मीना ने अपने काव्य सग्रह के माध्यम से बताया कि ''इन्सान की पहचान'' उसकी अभिव्यक्ति के द्वारा होती हैं और साथ ही डी0 एड0 प्रथम की प्रतिभागी मीना ने ''कन्या भ्रूण हत्या'' पर अपने काव्य के माध्यम से सामाजिक बुराईयों पर व्यंग्यात्मक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। इसी कडी में रीना की अभिव्यक्ति ने पूरे सभागार को बेटी की श्रेष्ठता बताकर भाव–विभोर कर दिया। अनिल डी0 एड0 छात्र ने अपने काव्य के माध्यम से हिन्दी भाषा के प्रयोग पर बल दिया और कहा कि हमे अपने राष्ट्र को हिन्दी राज बनाना चाहिए, इनकी कुछ पंक्तियां इस प्रकार है।

काव्य गोष्ठी प्रतियोगिता में भाग लेती हुई प्रतिभागी

हिन्दी बोले, हिन्दी लिखें, हिन्दी से हो सबको प्यार।
हिन्दी में ही करें सभा और हिन्दी में ही पत्र–व्यवहार।
हिन्दी को दें उच्च वरीयता, सब भाषाओं में प्रधान।

इसी के साथ डी0 एड0 की छात्रा कोमल ने अपने काव्य के माध्यम से प्रत्येक की जिन्दगी में मां की महत्ता को बताया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान रीना ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता के अंतिम चरण में छात्र–छात्राओं को पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डिफेंस कॉलेज में हुई इंटर कॉलेज महिला कबड्डी प्रतियोगिता

डिफेंस कॉलेज में आयोजित इंटर कॉलेज महिला कबड्डी प्रतियोगिता में टोहाना के इंदिरा गांधी राजकीय कॉलेज ने राजकीय महाविधालय भोडिया खेडा की टीम को पराजित कर प्रतियोगिता जीत ली। उसने भोडिया खेडा की टीम को 25 के मुकाबले 10 के बडे अन्तर से हराया। प्रतियोगिता में कुल नौ कॉलेजों की टीमों ने भाग लिया।

ऐसे हुए मुकाबले

फाइनल मैच में इंदिरा गांधी राजकीय कॉलेज ने राजकीय महाविद्यालय भोडिया खेडा की टीम को 25 के मुकाबले 10 अंको से पराजित कर ट्राफी जीती। तीसरे नंबर के लिए आयोजक डिफेंस कॉलेज की टीम ने राजकीय महाविद्यालय सिरसा को 37 के मुकाबले 25 अंको से मात दी। अन्य मुकाबले में राजकीय महाविद्यालय भोडिया खेडा की टीम ने सीएमके नेशनल सिरसा को 48 के मुकाबले 28, डिफेंस कॉलेज की टीम ने माता हरकी देवी कॉलेज ओढ़ा को 31 के मुकाबले 22, राजकीय महाविद्यालय सिरसा ने राजकीय महाविद्यालय सिरसा ने राजकीय महाविद्यालय भट्टू को सबसे बड़े अंतर 63 के मुकाबले 18 से हराया। राजकीय महाविद्यालय डबवाली की टीम के न पहुंचने के कारण एक मैच में इंदिरा गांधी राजकीय महाविद्यालय को वाक ओवर मिला तथा एक अन्य मैंच में उसने राजकीय महाविद्यालय सिरसा को 35 के मुकाबले 6 अंको से मात दी। वहीं राजकीय महाविद्यालय भोडिया खेड़ा ने डिफेंस कॉलेज की टीम को 38 के मुकाबले 22 अंको से पराजित किया। इस मुकाबले पर स्पोटर्स काउंसिल के सचिव डॉ. रविन्द्र पाल, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के खेल के खेल परिषद के पूर्व अध्यक्ष रणधीर सिंह, प्रिंसिपल डा. एसएस दलाल, विभागाध्यक्ष नवजीत सिंह, प्रिंसिपल डॉ. राकेश दूबे के साथ प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

BIRTHDAY CONGRATULATION

Dear students Many Many Happy returns of the day.
May God Bless you for the rich love and beauty
that springs from your spirit.

September - 2011

Roll No.	Students Name	Birthday Dates
26	Taravati	September-10
27	Parmod Kumar	September-13
32	Baljinder	September-17
25	Parveen Kumar	September-29

STUDENT CORNER

भ्रष्टाचार

जन–जन को प्यारे अन्ना हजारे।
भ्रष्टाचार को मिट्टी में मिला रे
अनशन से सरकार हिला दी,
तुम गांधी से सबसे प्यारे
भ्रष्टाचारी से त्रस्त है जनता
भ्रष्टाचारी नेता सारे।
ठन –ठन की सुनो झंकार,
ये दूनियां है काला बाजार।
रंग गोरा हो या काला हो,
जग उसका जो पैसे वाला हो।
सच्चा है यहां कंगाल,
तो बेईमान है मालामाल।
भगवान के घर भी खोट चले,
पूजा के लिए भी नोट चले।
मिलता है उसी को वोट,
दिखाए जो वोटर को नोट।
ये पैसा ऐसा चला है आज
गंगू तेली को तो दे राज
गधों के सर पर रखें ये ताज
अन्ना के अनशन के मारे भ्रष्टाचारी नेता डरा रे
कौन है बला ये लोकपाल बिल
दिन है उल्टे आए दिखने हमारे
इंतजार में आम आदमी
कब आएगा कानून ऐसा
दफतर –दफतर अफसर –अफसर जब न जनता भटकेगी।
जिस दिन हमें दूसरी आजादी मिलेगी,
बिन रिश्वत जब काम बनेंगे।
हो जाएगें वारे न्यारे।

तवनीत कुमार,
डी. एड. प्रथम सेम.
रोल न. 36

हिन्दी

हिन्दूस्तान में हो गया, हिन्दी का क्या हाल,
हिन्दी मास मनाए हमें, बीत चुके कई साल,
हिन्दी का स्मरण हो, बस वर्ष में एक माह
बाकी पूरे वर्ष हिन्दी भरती आह।

अंग्रेजी का हो रहा ऐसा भूत सवार
संडे–संडे सब रटे, भूल गए रविवार
अब बाबू जी मर गए, जिन्दा हो गए 'डैड'
आत्मीयता भी हो गई अंग्रेजी में कैद

जो बोले हिन्दी यहां उसको समझें हीन,
अग्रेजी के सामने हिन्दी की तौहिन।
माना अच्छी बात है हर भाषा का ज्ञान,
किन्तु कहां तक उचित है हिन्दी का अपमान,

हिन्दी तो बनकर रहे, हर भाषा का ताज
हमने इसे कर दिया परिचय का मोहताज
क्या हिन्दी का रहेगा? इतना सा इतिहास
हिन्दी में बात करें, हिन्दी में ही काम
तब ही हिन्दी पाएगी, सम्मानित स्थान,

सूर्यादीप,
डी.एड. प्रथम,
रोल न. 28

जरा हंस के दिखा....

1. एक बार रलदू डाक्टर धोरे जा के बोल्या ''डाक्टर साहब , मेरे पेट में गैंस बणे सै'' डा. बोल्या '' या तो बहोत आच्छी बात सै, आजकल गैंस बहोत मेंहगी हो री सै, तूं सिलैण्डर भरण लागज्या '' रलदू बोल्या '' या बात कोनी , पेट में गोळे से पाटैं सैं ''।
डा. बोल्या ''गोळे पाटै सै तो एक दो पाकिस्तान पै गेर दे''।

2. किसे गांम मैं शमशान कै धौरे स्कूल था। जद भी कोये मुर्दा आता छुट्टी हो जाया करती। बालक बहुत खुश थें एक दिन रलदू अर दो बालक स्कूल जावै थें
रास्तें मै दो बुढ़े बीड़ी पीण लाग रै थै रलदू उन्नै देख के बोल्या '' दो छुट्टी तो ये बीड़ी पीण लाग री सै ।

मोनू, डी.एड. प्रथम

STAFF CORNER

जीवन में परमात्मा की अनुभूति से हमारे कर्म शुद्ध हो जांएगे

इस वहम से जल्दी ही बाहर आना चाहिए कि यदि मैंने यह काम नहीं किया तो काम बिगड़ जाएगा या बड़ा नुकसान हो जाएगा। जब हमें लगता है कि हम ही करने वाले हैं, बस यहीं से अंहकार का प्रवेश होता है। अहंकार हमें यह भुला देता है कि संसार हम नहीं चला रहें इसके पीछे कुछ स्थायी नियम है, जिससे संसार चल रहा है। लेकिन आदमी की आदत होती है खुद को खास बनाने की और जैसे ही यह भाव आता है, हम अपने कर्तव्य से हटकर खुद ही के बारे में चिंता पालने लगते है।चिंता अपने साथ ढेरों विचार लाती है और इसी मे हम उलझ जाते है। संसार मे रहना है तो काम तो करना ही पड़ेगा, जिम्मेदारियां भी निभानी पड़ेगी, लेकिन इनमें हमारी जो भूमिका है, उसको अहंकारमुक्त रखना होगा, क्योंकि अहंकार हमारी इस समझ को समाप्त कर देता है कि हम जो भी गलत करेंगे, उसका नुकसान हम ही उठाएंगे। अहंकार को दूसरे में दोष ढूंढ़ने की आदत होती है। बस यहीं से हम फिर दूसरों के जीवन में आक्रमण शुरू करते है। हम यह भूल जाते हैं कि यह सब पलटकर हमारे ऊपर ही आएगा। अध्यात्म कहता है कि दूसरा कोई होता ही नहीं है, सारी स्थितियां हमारा ही विस्तार है। बात गहरी और समझने लायक है। हमें दूरी दिखती है खुद में और दूसरे में, लेकिन ऐसा होता नहीं है। परमात्मा ने संसार को सार्वभौम नियम से बनाया है। हर आदमी का कर्म उसी के लिए प्रभावशाली होगा, दिखेगा जरूर कि दूसरे प्रभावित हो रहे हैं। इसलिए जितना हम अपने जीवन में परमात्मा के होने की अनुभूति करेंगे, उतना ही हमारे कर्म शुद्ध हो जाएंगे और इसी में शांति बसी है।

बी.एस. नैन, डी.सी. एजूटाईम कम्पोजर.

राजभाषा हिन्दी

सितम्बर का महीना 'राजभाषा हिन्दी' से जुड़ा हुआ है। 14 सितम्बर 1949 को हिन्दी संघ की राजभाषा घोषित की गई थी, इसलिए केन्द्रीय सरकार को विभिन्न विभागों, कार्यालयों, उपक्रमों, स्वायत संस्थानों में हिन्दी सप्ताह, हिन्दी पखवाड़ा, हिन्दी माह का आयोजन किया जाता है।विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं, व्याख्यानों आदि का दौर चलता है। पुरस्कार बांटें जाते है और फिर वर्ष भर के लिए हम हिन्दी को भूलकर यथाक्रम अंग्रेजी में अपना सरकारी कामकाज करते लगते हैं। ये सब आयोजन महज एक औपचारिकता का निर्वहन भर लगते है। जब हम हिन्दी की बात करते है तो उसके बहुत से आयाम हमारे सामने उभरते है – हिन्दी एक भाषा ही नहीं एक जाति भी है। इकबाल ने जब कहा था–'हिन्दी है हम, वतन है हिंदोस्तां हमारा' तो शायद इसी संदर्भ को सामने रखकर कहा था। राजभाषा के प्रश्न को किनारे रख दे तो हम पाएगें कि स्वतन्त्रता के बाद के वर्षो में हिन्दी का प्रचार–प्रसार बढ़ा है। भारत में मात्र हिन्दी ही एक ऐसी भाषा है, जिससे एक साथ पूरे राष्ट्र को संबोधित किया जा सकता है। लेकिन चिंता का विषय है कि हमारी नई पीढी हिन्दी से दूर होती जा रही है, जिस तरह लोगों का कांवेंट और पब्लिक स्कूलों के प्रति आकर्षण बढ रहा है। शहर तो शहर, कस्बों तक में जिस तरह शिक्षा की दुकानें खोली जा रही है और जिस तरह की अधकचरी शिक्षा वहां अयोग्य शिक्षकों द्वारा दी जा रही है, उससे पूरी–की–पूरी नई पीढी हिन्दी से दूर होती जा रही है। बहुत से राज्यों में प्राथमिक स्तर से अग्रेंजी की पढाई हो रही है, जो बहुत ही घातक है, क्योंकि उससे बालक की उर्जा का क्षय होता है। और मौलिक चिंतन की शक्ति अवरूद्ध होती है।

सह सम्पादक डा. राजपाल

कविता पाठ :–

जिन्दगी

जिन्दगी अनमोल है, इसका मजा लिजिए।
हर गम को अपने दिल से भूला दिजिए
हर पल में हो खुशी, आंगन में रोशनी ।
एक चिराग बुझे तो, दूसरा जला दिजिए।
लौट आएगी जाते जाते, दिल की खुशी।
आप दुआ के लिए जरा, हाथ उठा लिजिए
कोई दुश्मन नहीं, सब अपने है यहां।
जो प्यार से मिले, उसे गले लगा लिजिए।
ऐ दोस्त जीने का, सलिका है यही ।
गम कोई भी हो हंस के उठा लिजिए।
जिन्दगी अनमोल है इसका मजा लिजिए।

नरेन्द्र रोहिला,
प्रवक्ता शिक्षा शास्त्र

अक्टूबर माह की गतिविधियों का विवरण इस प्रकार

⇒ 2 अक्टूबर को गांधी जंयती

⇒ दशहरा पर्व का आयोजन

⇒ कॉलेज प्रागण में अग्नि रोधक प्रशिक्षण कार्यक्रम

⇒ दिपावली पर्व पर दीप सजावट प्रतियोगिता

⇒ बाल्मीकी जंयती पर बाल सभा का आयोजन।

Chief Editor- Dr. Rakesh Dubey, Editor – Dr. Rajpal, Reporter- Mr. Narender Rohila,
Composer – Mr. Balkar Singh Nain